The Statesman
KOLKATA, THURSDAY 26 MAY 2022

Internal conflict, averse to risks affecting business environment in Bengal: Sircar

STATESMAN NEWS SERVICE
KOLKATA, 25 MAY

The Trinamul Congress Rajya Sabha MP Jawahar Sircar, said internal conflicts and lack of appetite for risk among the people of West Bengal are leading to an unfavourable business environment.

In a seminar titled Whither India: Economically, Socially and Politically, organised by the Bharat Chamber of Commerce, Mr Sircar, a retired IAS officer, said that West Bengal has been robbed of its glory and unfairly neglected when it comes to the deliberate allocation of resources by the central government.

He added that internal conflicts and the lack of risk appetite among the people of Bengal have added to the unfavourable business environment.

He highlighted that the state government has focused on investment in core sectors like coal, jute, tea, steel etc. However, the services sectors have not received the required impetus.

"We need venture capitalists to spur investments in the state," he opined.

In the context of the growth of West Bengal, he further stated, "Being enterprising is no longer considered below intellect in West Bengal. The attitude of the youth towards work has transformed with an aspiration towards growth and we find 'consumerism' prevalent in every sphere of the society. West Bengal, having the 5th largest GDP, is the shining lamp of eastern India. I am optimistic towards the future growth and development of this state."

Further, the MP observed that India has ranked 131 in the human development index, 101 in the global hunger index.

He stated that there is an urgent need to relook the Indian policies.

Supporting India's ban on wheat exports in a bid to check high prices on account of a shortage of wheat, he explained that we need to maintain an opening balance of 120 million tonnes of wheat in order to be prepared for any unforeseen calamity like the pandemic. We are likely to feel the domino effect of the global food crisis due to the Russia-Ukraine conflict. However, taking timely measures can insulate us from the impact to a great extent."

12 सन्मार्ग कोलकाता
गुरुवार, 26 मई, 2022

'संसाधनों के आवंटन में बंगाल की उपेक्षा'

कोलकाता: भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जवाहर सरकार, संसद सदस्य, राज्यसभा ने कहा कि कहा, "जवाहरलाल नेहरू ने अपने लेखों की एक श्रृंखला में विचार व्यक्त किया है कि भारत के भविष्य को एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में कैसे आकार दिया जाना चाहिए। भारत ने दुनिया की सबसे सहिष्णु सभ्यता के रूप में प्रतिनिधित्व किया है। आज हमारी राजनीतिक विचारधारा में नेहरू जैसी दृष्टि गायब है। हमें अपनी सभ्यता को बनाए रखना चाहिए। किसी भी तरह के युद्ध या दुर्घटना से बचना चाहिए, जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष एनजी खेतान और पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा भी

मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार द्वारा 'संसाधनों के आवंटन' की बात आती है तो पश्चिम बंगाल को गलत तरीके से उपेक्षित किया जाता है। राज्य सरकार ने कोयला, जूट, चाय, स्टील आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत मानव विकास सूचकांक में 131, वैश्विक भूख सूचकांक में 101, भ्रष्टाचार सूचकांक में 85 और प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 150वें स्थान पर है। वैश्विक सूचकांकों में गिरावट की प्रवृत्ति को दूर करने के लिए भारतीय नीतियों पर फिर से विचार करने की तत्काल आवश्यकता है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि काम के प्रति युवाओं का नजरिया विकास की आकांक्षा के साथ बदल गया है। देश के 5वें सबसे बड़े जीडीपी वाला राज्य पश्चिम बंगाल के भविष्य और विकास के प्रति मैं आशावादी हूं।

২৬ মে ২০২২ বর্তমান [৩]

রাজ্যে স্টার্ট আপ বৃদ্ধির পরামর্শ

নিজস্ব প্রতিনিধি, কলকাতা: এরাজ্যে শিল্পের বহর বাড়াতে আরও বেশি করে স্টার্ট আপ বা নতুন ব্যবসায় লগ্নি হওয়া উচিত। অর্থাৎ 'ভেঞ্চার ক্যাপিটাল' বা নয়া ব্যবসার মূলধন না এলে এখানে শিল্পের প্রসার কাঙ্ক্ষিত জায়গায় পৌঁছবে না। বণিকসভার অনুষ্ঠানে এমনই মতামত দিলেন রাজ্যসভার সদস্য জহর সরকার। ভারত চেম্বার অব কমার্স আয়োজিত এক অনুষ্ঠানে তিনি বলেন, একটা সময় ছিল, যখন বাঙালি ঝুঁকি নিতে ভয় পেত। তাই ব্যবসা করত না। তার সঙ্গে ছিল সম্পদ বণ্টনের ক্ষেত্রে কেন্দ্রীয় সরকারের বঞ্চনা। কিন্তু এখন পরিস্থিতি বদলেছে। রাজ্য সরকার কয়লা, ইস্পাত, পাট, চা প্রভৃতি শিল্পক্ষেত্রগুলিকে বিশেষ গুরুত্ব দিচ্ছে। কিন্তু পরিষেবা শিল্পে যতটা জোর দেওয়ার দরকার ছিল, এখনও ততটা দেওয়া হয়নি। সার্বিকভাবে শিল্পের উন্নয়নে যদি বেশি করে নতুন ব্যবসায় মূলধন আসে, তাহলে রাজ্যের শিল্প চেহারা আরও উজ্জ্বল হবে।

আনন্দবাজার পত্রিকা কলকাতা বুধবার ২৫ মে ২০২২

হতাশ নন জহর

এ দেশের বিভিন্ন রাজ্যের মধ্যে জিডিপি-র নিরিখে পাঁচ নম্বরে থাকা পশ্চিমবঙ্গের উজ্জ্বল ভবিষ্যতে আশাবাদী তিনি। তবে অবসরপ্রাপ্ত আইএএস কর্তা তথা তৃণমূলের রাজ্যসভার সাংসদ জহর সরকার মনে করেন, নতুন নতুন ব্যবসার উদ্যোগে পুঁজি ঢালায় কিছু খামতি আছে এ রাজ্যে। মঙ্গলবার ভারত চেম্বার অব কমার্সের সভাপতি এন জি খৈতান এবং প্রাক্তন সভাপতি সীতারাম শর্মার সঙ্গে একটি আলোচনাচক্রে কথা বলছিলেন জহর। 'অর্থনীতি, সমাজ, রাজনীতিতে কোথায় ভারত'-শীর্ষক আলোচনায় জহর একই সঙ্গে ভারত ও পশ্চিমবঙ্গের পরিস্থিতির বদল নিয়ে কথা বলেছেন।

প्रभात खबर
कोलकाता, बुधवार
25.05.2022

नेहरू का विजन आज है नदारद : जवाहर सरकार

कोलकाता. राज्यसभा के पूर्व सांसद तथा आइएएस (सेवानिवृत्त) जवाहर सरकार का कहना था कि जवाहरलाल नेहरू का विजन हमारे राजनीतिक आदर्श से नदारद है. नेहरू ने कई आर्टिकल लिखे, जिन्हें 'विदर इंडिया' शीर्षक पैम्प्लेट में प्रकाशित किया गया था. उन्होंने उसमें अपनी निजी राय लिखी थी कि भविष्य के भारत का आकार कैसा होगा. भारत दुनिया की सर्वाधिक सहिष्णु सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है. श्री सरकार ने कहा कि पश्चिम बंगाल को उसके शौर्य से वंचित किया गया है. उनका कहना था कि भारत ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स में 131, ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 101, भ्रष्टाचार के इंडेक्स में 85 और प्रेस की स्वतंत्रता के इंडेक्स में 150वें नंबर पर है. भारतीय नीतियों पर दोबारा नजर डालने की आपात जरूरत है. भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित परिचर्चा में वह बोल रहे थे. मौके पर चेंबर के अध्यक्ष एनजी खेतान तथा पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा तथा अन्य मौजूद थे.